क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उड्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक क्रांति समय

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उड्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 13, मंगलवार, 05 फरवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

न्यूज

ईरानी अंतरिक्ष केंद्र में आग, तीन वैज्ञानिकों की मौत

एजेंसियां ,(तेहरान)। ईरान के अंतरिक्ष केंद्र में आग लगने से तीन वैज्ञानिकों की मौत हो गई है। देश की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी आईएसएनए ने रविवार को यह जानकारी दी। रविवार को एक रिपोर्ट में ईरान के दूरसंचार मंत्री मोहम्मद जवाद अजरी जहरोमी के हवाले से बताया गया कि देश के अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र की एक इमारत में आग लगने के कारण तीन शोधकर्ताओं की मौत हो गई है। रिपोर्ट में घटना का और कोई ब्योरा फिलहाल नहीं दिया गया। अमेरिका की चेतावनियों के बावजूद ईरान ने एक उपग्रह लांच करने की योजना बनाई है। इससे उसको बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में लाभ मिल सकता है। ईरान ने जनवरी में एक उपग्रह छोड़ा था, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि वह तकनीकी कारणों से कक्षा तक पहुंचने में नाकाम रहा। ईरान ने बीते एक दशक में कई उपग्रह छोड़े हैं। हालांकि वे ज्यादा दिनों तक नहीं चल सके। साल 2013 में उसने अंतरिक्ष में एक बंदर को भेजा था।

अहमदाबाद हवाई अड्डे पर अफरातफरी

अहमदाबाद, (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम होने के बारे में रविवार को मिली सूचना गलत निकली। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह लगभग साढ़े तीन बजे किसी ने एयर इंडिया के मुंबई कार्यालय में फोन कर अहमदाबाद हवाई अड्डे के अंतर्राष्ट्रीय टर्मिनल टी 2 पर बम होने की बात कही थी। यह सूचना मिलने के तुरंत बाद यहां ऐसे मामलों के लिए बनी समिति तुरंत हरकत मे आ गयी। पर जांच के बाद यह बात अफवाह साबित हुई। इस दौरान किसी उड़ान पर कोई असर नहीं पड़ा।

रैली से लौट रही बस बेकाबू , पांच की मौत

देवघर, (एजेंसी)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की रैली से लौट रही बस रविवार तड़के सारठ-पालोजोरी मुख्य मार्ग पर बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में बस में सवार तीन महिला, एक पुरुष और एक बच्चे की मौत हो गई। घायलों को इलाज के लिए सारठ और देवघर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुमका में शनिवार को हुई 40वें झारखंड दिवस की रैली से बस यात्रियों को लेकर लौट रही थी। घटना के बाद देवघर सदर अस्पताल में श्रम एवं नियोजन मंत्री राज पालीवाल ने मृतकों एवं घायलों के परिजनों से मुलाकात की। सदर थाना के एसएचओ बिजेन्द्र सिंह ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज करके हत्यारों का सुराग लगाने का प्रयास शुरू कर दिया गया है।

डेरे के सेवादार की तेज धारदार हथियार से हत्या

हिसार, (एजेंसी)। हरियाणा के हिसार जिले के गांव शिकारपुर में स्थित एक डेरे में शनिवार को डेरे के एक सेवादार की अज्ञात लोगों ने तेज धारदार हथियार से वार करके हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि सेवादार सुभाष दास (50) गांव ढाणी खान बहादुर का निवासी था और पिछले दो साल से शिकारपुर में डेरा बनाकर रह रहा था। एक पड़ोसी खेत मालिक शनिवार को सुभाष के कराहने की आवाज सुनकर डेरे में गया तो उसने सुभाष को रक्तरंजित अवस्था में पाया। पड़ोसी के अनुसार मरने से पूर्व उसने 'बाइक वाले... बाइक वाले..' ही कह पाया। दास के सिर व पैर में चोटों के कई निशान मिले हैं। मृतक के परिजनों ने अंदेशा जताया है कि सुभाष दास पर हमला किसी दूसरी जगह किया गया और फिर उसे वापस डेरे में छोड़ा गया होगा।

यूपी : कल राज्यपाल राम नाईक के अभिभाषण से शुरू होगा विधानमंडल सत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का बजट सत्र मंगलवार से शुरू हो रहा है। नए साल पर होने वाले इस सत्र के पहले दिन राज्यपाल राम नाईक दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करेंगे। राज्यपाल के अभिभाषण के विपक्ष अपना विरोध जताने के लिए हंगामा कर सकता है।

यह सत्र ऐसे वक्त में हो रहा है जब लोकसभा चुनाव नजदीक आता जा रहा है और विपक्षी दलों में एका बढ़ रही है। बसपा सपा का गठबंधन का ऐलान हो चुका है। ऐसे माहौल का असर सदन में भी देखने को मिलेगा, जहां विपक्षी दल अब पूरी तरह एकजुट होकर विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे। सपा-बसपा गठबंधन से इतर कांग्रेस भी अपनी अहमियत दिखाना चाहेगी। विपक्ष के तरकश में कई तीर हैं जिसके जरिए वह भाजपा सरकार पर कानून-व्यवस्था, परीक्षाओं में धांधली, किसानों की बदहाली, गन्ना किसानों का बकाया समेत कई मुद्दों पर निशाना साधेगी।

सात फरवरी को पेश होगा बजट

प्रदेश सरकार में वित्तमंत्री राजेश अग्रवाल सात फरवरी को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए बजट पेश करेंगे। यह सत्र फिलहाल 22 फरवरी तक चलाने की योजना है। इस बार का बजट चुनावी चाशनी से पगा होगा।

सोमवार को सभी दलों ने बनाई रणनीति

भाजपा, सपा, बसपा व कांग्रेस ने अपने अपने विधायकों की बैठक कर सदन में ज्वलंत मुद्दे उठाकर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई। चूंकि राज्यपाल के अभिभाषण में सरकार के कामकाज का ही वर्णन होता है, इसलिए विपक्षी दल इस पर अपना विरोध जताने के लिए नए सिरे से रणनीति बनाई है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सर्वदलीय बैठक बुलाकर सभी सदन को सुचारू रूप से शांति पूर्वक चलाने के लिए सहयोग मांगा। जबकि कार्यमंत्रणा समिति ने 5 फरवरी से 22 फरवरी तक के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया।

बसपा हरियाणा में इनलो से गठबंधन पर कर सकती है पुनर्विचार: मायावती

सेंट्रल पार्टी कार्यालय नई दिल्ली में हुई बैठक में प्रदेश से लेकर विधानसभा स्तर के जिम्मेदार लोगों से हरियाणा जींद उपचुनाव परिणाम के साथ इंडियन नेशनल लोकदल में आपसी खींचतान व टकराव पर चर्चा की।

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने लोकसभा चुनाव की तैयारी समीक्षा में सोमवार को हरियाणा प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने साफ किया है कि 'चौटाला परिवार' में एका न हुआ तो इंडियन नेशनल लोकदल से गठबंधन पर पुनर्विचार किया जाएगा। बसपा चौटाला परिवार में एका होने पर ही गठबंधन कर चुनाव लड़ेगी।

मायावती ने हरियाणा राज्य में पार्टी की संगठन व चुनावी तैयारियों की समीक्षा की और आगे की रणनीति बनाकर उस पर प्रभावी अमल के निर्देश दिए। सेंट्रल पार्टी कार्यालय नई दिल्ली में हुई बैठक में प्रदेश से लेकर विधानसभा स्तर के जिम्मेदार लोगों से हरियाणा जींद उपचुनाव परिणाम के साथ इंडियन नेशनल लोकदल में आपसी खींचतान व टकराव पर चर्चा की।

हरियाणा की संभावित राजनीति पर सभी स्तर के लोगों की राय ली गई और यह पाया गया कि 'चौटाला परिवार' में जारी आपसी घमासान से परिस्थितियां बदली हैं। इसके चलते बसपा का इंडियन नेशनल लोकदल के साथ हुआ गठबंधन भी इससे प्रभावित होकर अछूता नहीं रहा है, जो गठबंधन की जन आकांक्षाओं के विपरीत है। उन्होंने कहा है कि इससे बसपा व इसके मूवमेंट को लोकसभा व विधानसभा चुनाव में भी नुकसान हो सकता है। इससे बचने के लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को अधिकृत किया गया है कि वो वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आगे के लिए उचित फैसला करें।

मायावती ने फैसला लिया कि इंडियन नेशनल लोकदल के दो हिस्सों में बंटने का प्रभाव जींद उपचुनाव में भी पड़ा और इनको अपनी सीट गवानी पड़ी। वैसे भी इनका पारिवारिक तकरार व टकराव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इससे बसपा के साथ उनका गठबंधन आगे बढ़ने के बजाय अब नकारात्मकता में ही ज्यादा उलझ गया है। इसलिए 'चौटाला परिवार' में एका न हुआ तो गठबंधन पर पुनर्विचार किया जाएगा। हरियाणा में बसपा का जनाधार अब पहले से काफी बेहतर व मजबूत हुआ है। लोकसभा व विधानसभा चुनाव में पार्टी अपनी पूरी मेहनत करके अच्छा प्रदर्शन जरूर करेगी।

बिजनौर: आत्मदाह की तैयारी कर रहे किसानों को पुलिस ने दौड़ाकर पीटा, की वाटर कैनन की बौछार

बिजनौर। बिजनौर कलक्ट्रेट में पिछले साल का बकाया भुगतान न मिलने पर आत्मदाह की तैयारी कर रहे किसानों पर सोमवार को पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया।

कलक्ट्रेट में आत्मदाह की तैयारी कर रहे किसानों पर वाटर कैनन की बौछारों के साथ पुलिस ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। वेव ग्रुप की बिजनौर और चांदपुर चीनी मिल ने किसानों को पिछले साल का बकाया भुगतान नहीं किया है। आजाद किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी राजेन्द्र सिंह ने बकाया ना मिलने पर कलक्ट्रेट में 4 फरवरी को सामूहिक आत्मदाह का ऐलान किया था।

जिला प्रशासन से किसानों की वार्ता लगातार बेनतीजा साबित हो रही थी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किसान गन्ना समिति से इकट्ठा होकर कलक्ट्रेट पहुंचे और चिता लगाकर उस पर बैठ गए। सामूहिक आत्मदाह का प्रयास करने पर पुलिस ने किसानों पर वाटर कैनन की बौछार कर लाठीचार्ज कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुलिस ने किसानों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। कलक्ट्रेट से लेकर किसानों को गन्ना समिति तक पीटा गया। पुलिस से बचने के लिए किसान कलक्ट्रेट के कार्यालय में घुस गए।

अनशन पर बैठे अन्ना बोले- मुझे कुछ हुआ तो मोदी होंगे जिम्मेदार

नई दिल्ली, ■ एजेंसी

अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा है कि अगर उन्हें कुछ हुआ तो इसकी जिम्मेदारी प्रधानमंत्री मोदी की होगी। अन्ना हजारे लोकपाल की मांग को लेकर अपने गांव रालेगण सिद्धि में अनशन पर बैठे हैं। आज उनके अनशन का पांचवां दिन है।

न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए अन्ना ने कहा कि लोग मुझे ऐसे इंसान के तौर पर याद रखेंगे जो स्थिति से निपटता था, ऐसे इंसान के तौर पर नहीं जो आग भड़काता था। अगर मुझे कुछ हुआ तो लोग प्रधानमंत्री मोदी को जिम्मेदार मानेंगे. अन्ना हजारे ने कहा कि लोकपाल के जरिए प्रधानमंत्री के खिलाफ भी जांच हो सकती है, अगर लोग उनके खिलाफ कोई सबूत पेश करते हैं। अन्ना जन आंदोलन सत्याग्रह के बैनर तले 30 जनवरी से केंद्र में लोकपाल और राज्यों में लोकायुक्त लाने की मांग को लेकर अनशन पर बैठे हैं। इससे पहले उनके समर्थकों ने शनिवार को दावा किया कि उन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से एक पत्र मिला है। पत्र में गांधीवादी नेता के प्रति 'रुखा रवैया' झलकता है। अन्ना हजारे के प्रवक्ता श्याम असावा ने कहा कि पीएमओ से प्रतिक्रिया मिलने पर पश्चिमी महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में उनके रालेगण सिद्धि गांव में विरोध प्रदर्शन में इजाफा हुआ। असावा ने कहा कि महिलाओं सहित कुछ प्रदर्शनकारी गांव में एक टावर के ऊपर चढ़ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

शशिकांत पाटिल को सीआईएमए पुरस्कार

कोलकाता, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कलाकार शशिकांत पाटिल को सीआईएमए पुरस्कार का विजेता घोषित किया गया है। उन्हें पुरस्कार के तौर पर पांच लाख रुपये दिए गए हैं। विश्व भारती में प्रशिक्षित पाटिल ने कहा कि उन्होंने पहली बार ऐसा पुरस्कार जीता है। कलाकार ने शनिवार रात को पुरस्कार समारोह के बाद कहा कि मुझे नंदलाल बोस की पेटिंग और रामकिंकर बैज की शिल्प कला से प्रेरणा मिलती रही है। महाराष्ट्र के एक गांव से ताल्लुक रखने वाले पाटिल ने अपनी पेटिंग 'ट्रांसफोरमेशन' के लिए पुरस्कार जीता है। सेंटर ऑफ इंटरनेशनल मॉर्डन आर्ट (सीआईएमए) ने 20 पुरस्कारों की स्थापना की है, जिनमें एक सीआईएमए पुरस्कार और दो, दूसरे एवं तीसरे स्थान के पुरस्कार, दो जूरी पुरस्कार, एक 'स्पेशल मेंशन' पुरस्कार, चार 'मेरिट अवॉर्ड्स' और 10 'स्पेशल अवॉर्ड्स' शामिल हैं।

हबल टेलिस्कोप ने बौनी आकाशगंगा का लगाया पता

लंदन , (एजेंसी)। हबल अंतरिक्ष टेलिस्कोप ने तीन करोड़ प्रकाश वर्ष दूर, हमारे ब्रह्मांड में पीछे की ओर मौजूद एक बौनी आकाशगंगा का पता लगाया है। बौनी आकाशगंगा में दूसरी आकाशगंगाओं की तुलना में काफी कम तारे होते हैं। शोधकर्ताओं ने तारों के गोल गुच्छे एनजीसी 6752 के भीतर सफेद बौने तारों का अध्ययन करने के लिए नासा/ईएसए हबल अंतरिक्ष टेलिस्कोप का इस्तेमाल किया।इस अध्ययन का उद्देश्य गोल तारामंडल की आयु का पता लगाने के लिए इन तारों का इस्तेमाल करना था लेकिन इस प्रक्रिया में शोधकर्ताओं को बौनी आकाशगंगा मिली। उनके लिए यह एक अप्रत्याशित खोज थी। इन तारों की चमक और तापमान का ध्यानपूर्वक विश्लेषण करने के बाद खगोलविदों ने पाया कि ये तारे आकाशगंगा के तारामंडल का हिस्सा नहीं हैं बल्कि उससे करोड़ों प्रकाश वर्ष दूर स्थित हैं। बेदिन 1 नाम की ब्रह्मांड की यह पड़ोसी आकाशगंगा आकार में बहुत छोटी है। यह आकाशगंगा के एक छोटे-से हिस्से जितनी है।

संरा के जहाज में यमन सरकार के प्रतिनिधमंडल और हुती विद्रोहियों के बीच बातचीत शुरू

दुबई, (एजेंसी)। यमन में संयुक्त राष्ट मिशन के प्रमुख ने संघर्ष विराम पर सहमति बनाने के लिए सरकार और हुती विद्रोहियों के बीच लाल सागर में एक जहाज में वार्ता की शुरूआत की। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर एएफपी को बताया कि नीदरलैंड के सेवानिवृत्त जनरल पैट्रिक कैम्माएर्ट की अध्यक्षता में हुदैदा शहर के तट पर संयुक्त राष्ट्र के जहाज में वार्ता शुरू हुई। गौरतलब है कि विद्रोहियों ने सरकार के अधीन आने वाले किसी भी क्षेत्र में वार्ता करने से इनकार कर दिया था, इसलिए संयुक्त राष्ट्र मिशन को बैठक का आयोजन वहां कराना पड़ा। अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्ष दिसंबर में स्वीडन में हुए समझौते को लागू करने के लिए अगला कदम उठाने पर चर्चा करेंगे। समझौते को लागू करने के लिए समझौता के कार्यान्वयन से संबंधित संयुक्त समिति की यह तीसरी बैठक है। संयुक्त राष्ट्र ने यमन में चल रहे युद्ध को मानवीय संकट करार दिया था।

फ्रेंच आलुओं की खेप में मिला प्रथम विश्वयुद्ध का हथगोला

हांगकांग , (एजेंसी)। हांगकांग की एक चिप्स बनाने वाले कारखाने के लिए आयात किए जाने वाले फ्रेंच आलूओं की खेप में प्रथम विश्व युद्ध के दौर का एक जर्मन हथगोला मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। काल्बी स्नैक्स फैक्ट्री में शनिवार को हथगोला पाए जाने के बाद उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। अधीक्षक विल्फ्रेड वोंग हो-हॉन ने पत्रकारों से कहा, हथगोले की स्थिति ठीक नहीं थी क्योंकि पहले ही उसका पिन खुला हुआ था लेकिन गनीमत यह रही कि वह फटा नहीं था। वोंग ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल पर उसे निष्क्रिय कर दिया। ग्रेनेड आठ सेंटीमीटर चौड़ा था और उसका वजन करीब एक किलोग्राम था। वोंग ने कहा, सभी जानकारियों के अनुसार ऐसा लगता है कि हथगोला आलूओं के साथ फ्रांस से आयात हुआ।

हथगोले की स्थिति ठीक नहीं थी

ब्रेग्जिट समझौते पर टिकी हैं हजारों भारतीयों की नौकरियां

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। ब्रेग्जिट 29 मार्च को तय है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल उठता है कि इसके पहले दोनों पक्ष कोई ताजा समझौते पर पहुंच पाता है या नहीं। अगर कोई ताजा समझौता नहीं होता है, तो इससे केवल ब्रिटेन और जर्मनी की अर्थव्यवस्था को ही नहीं, बल्कि भारतीय कंपनियों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

आगामी 29 मार्च को ब्रिटेन यूरोपीय संघ से अलग हो जाएगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि दोनों पक्ष किसी ताजा समझौते पर पहुंचते हैं या नहीं। किसी समझौते पर नहीं पहुंचने की हालांकि उम्मीद न के बराबर है, लेकिन अगर ऐसा होता है तो ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था की विनाशकारी नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं, जिसके बारे में कारोबारी दिग्गजों ने चेताया भी है। इससे ब्रिटेन ही नहीं, बल्कि यूरोपीय संघ की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी को भी भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है, जिसके कई उत्पादों का बाजार ब्रिटेन है।ब्रिटेन की यूरोपीय संघ से विदाई पर भारत की भी पैनी नजर है। हाल के कुछ वर्षों में ब्रिटेन में भारी निवेश करने वाली कई कंपनियां ब्रेग्जिट को लेकर चिंतित हैं। यूरोपीय संघ में घुसने के लिए ब्रिटेन को मुख्य द्वार के तौर पर देखा जाता था। एक कॉमन मार्केट होने की वजह से कंपनियां यूरोपीय देशों में निर्बाध रूप से प्रवेश कर पाती थीं।

800 भारतीय कंपनियों का ब्रिटेन में कारोबार- ब्रिटेन में लगभग 800 भारतीय कंपनियां कारोबार कर रही हैं, जिनसे 1.10 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। इनमें से आधे लोग टाटा समूह की पांच कंपनियों में काम करते हैं। टाटा समूह ब्रिटेन में सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में शामिल है। अगर ब्रेक्सिट बिना किसी समझौते के होता है, तो हजारों नौकरियों के जाने का खतरा मंडरा सकता है।

यूएई के ऐतिहासिक दौरे पर पोप रवाना

अबुधबी,(एजेंसी)। पोप फ्रांसिस रविवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंच रहे हैं। वह अरब प्रायद्वीप का दौरा करने वाले पहले पोप हैं। खबरों के मुताबिक, पोप को अबु धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने एक इंटरफेथ सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। इस ऐतिहासिक दौरे के दौरान मंगलवार को होने वाली एक धार्मिक सभा (मास) में 120,000 लोगों के पहुंचने की उम्मीद है।

शनिवार को एक ट्वीट में क्राउन प्रिंस ने कहा, 'हम पोप फ्रांसिस का यूएई में स्वागत करते हैं। यह ऐतिहासिक दौरा सहिष्णुता, समझ और पारस्परिक संवाद के मूल्यों को गहरा करेगा।' गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, क्राउन प्रिंस ने कहा, 'हम हमारी मानवता, हमारे सामान्य मूल्य और मानवजाति के भविष्य में विश्वास से बंधे हुए हैं। इसके लिए यूएई में आपका स्वागत है, सहिष्णुता का हमारा वर्ष।' यूएई में करीब 10 लाख रोमन कैथलिक रहते हैं, जिसमें से अधिकतर भारत और फिलीपींस से हैं।

वहीं यूएई के लिए निकलने से पहले पोप फ्रांसिस ने ट्वीट कर कहा, मैं यूएई के लिए निकल रहा हूं। मैं वहां भाईचारा बढ़ाने के उद्देश्य से जा रहा हूं, जिससे एकसाथ शांति के पथ पर चला जा सके।

मादुरो ने दी समय पूर्व चुनाव कराने की धमकी

काराकास ,(एजेंसी)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने विपक्षी नेता जुआन गुएडो को अलग-थलग करने की कोशिश के तहत समय पूर्व संसदीय चुनाव कराने की धमकी दी है। गुएडो संसद अध्यक्ष हैं लेकिन उन्होंने 23 जनवरी को अपने आप को देश का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया था। नेशनल असेंबली के प्रमुख गुएडो ने मादुरो के इस्तीफा और नए राष्ट्रपति चुनाव कराने की मांग को लेकर शनिवार को काराकास में सड़कों पर व्यापक जन प्रदर्शन का नेतृत्व किया था।

संविधान सभा में एक प्रस्ताव लाने के पक्ष में

मादुरो ने उनके पूर्ववर्ती हुगो शावेज के नेतृत्व वाले समाजवादी आंदोलन की 20वीं वर्षगांठ पर एक रैली में कहा कि वह संविधान सभा में एक प्रस्ताव लाने के पक्ष में हैं, जिसमें 2020 के अंत में होने वाले संसदीय चुनाव को समय पूर्व कराने की बात होगी। छह महीनों में पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए मादुरो ने कहा, मैं राजी हूं और मैं इस फैसले पर कायम रहूंगा। वे (विपक्ष) जल्दी चुनाव कराना चाहते हैं, तो चलिए चुनाव कराते हैं। चार प्रमुख यूरोपीय देशों ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और स्पेन ने कहा कि अगर मादुरो ने रविवार आधी रात तक राष्ट्रपति चुनाव कराने की घोषणा नहीं की तो वह गुएडो को अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर मान्यता दे देंगे। नैशनल असेंबली विपक्ष के नियंत्रण वाली सरकार की एकमात्र शाखा है। सरकार के वफादारों की बहुतायत वाले उच्चतम न्यायालय ने उसकी शक्तियां छीन ली थीं। गौरलतब है कि मादुरो ने संसद के स्थान पर 2017 में संविधान सभा बनाई थी। संसद ने अपने आप को देश का सर्वेसर्वा घोषित किया था। जब नए संसदीय चुनाव होंगे तो विपक्ष अपना बहुमत खो सकता है।

आज होगी सड़क सुरक्षा' सप्ताह की शुरुआत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर सोमवार को 'सड़क सुरक्षा' सप्ताह का आयोजन करेगी जिसमें लोगों को सड़क पर सुरक्षित यात्रा के बारे में जागरूक करने के साथ कार रैली और अन्य कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की तरफ से अब तक 12 'सड़क सुरक्षा' सप्ताह आयोजित किए जा चुके हैं और सोमवार को 13वें 'सड़क सुरक्षा' सप्ताह की शुरुआत राष्ट्रपिता की 150वीं जयंती के मौके पर यहां गांधी स्मृति एवं एवं दर्शन राजघाट से की जाएगी। गृहमंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मांत्री नितिन गडकरी तथा मंत्रालय में राज्य मंत्री मनसुख लाल मांडवीय झंडी दिखाकर 'सड़क सुरक्षा' सप्ताह का उद्घाटन करेंगे।

बड़ा कदम सीवेज शोधन संयंत्र का काम पूरा होने के बाद गंगा सीवर से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगी

अब गंगा में नहीं जाएगा सीवर का गंदा पानी

वाराणसी ■ एजेंसी

वाराणसी में गंगा नदी में सीवेज का पानी नहीं जाएगा। गंगा कार्य योजना की शुरुआत के तीन दशक बाद सरकार ने यह कदम उठाया है। गंगा नदी में प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए राजीव गांधी सरकार ने 14 जून 1986 को वाराणसी में गंगा कार्य योजना की शुरुआत की थी। अधिकारियों ने बताया कि रमना के नजदीक 50 एमएलडी सीवेज शोधन संयंत्र का काम पूरा हो जाने के बाद शहर के सीवर के गंदे पानी को गंगा में जाने से रोका जा सकेगा। अस्सी नाले से निकलने वाले पानी का शोधन करेगा संयंत्र

गौरतलब है कि वाराणसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के तहत आने वाले गंगा पुनरुद्धार मंत्रालय और राष्ट्रीय गंगा स्वच्छता मिशन

(एनएमसीजी) ने वाराणसी में सीवर के पानी के शोधन के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं। एनएमसीजी के अधिकारियों के मुताबिक, रमना के नजदीक 50 एमएलडी सीवेज शोधन संयंत्र का काम करीब-करीब पूरा हो गया है। उम्मीद है कि यह इस साल नवंबर तक पूरी तरह से चालू हो जाएगा। यह अस्सी नाले से निकलने वाले पानी का शोधन करेगा।

शहर से निकलता है रोज 30 करोड़ लीटर सीवर का पानी

इससे वाराणसी शहर के सीवर के गंदे पानी को गंगा में जाने से पूरी तरह से रोका जा सकेगा। जाहिर है कि शहर से रोजाना तकरीबन 30 करोड़ लीटर सीवर का पानी निकलता है। पिछले साल प्रधानमंत्री द्वारा दीनापुर में 140 एमएलडी सीवेज शोधन संयंत्र का उद्घाटन करने से सीवर के पानी का शोधन करने की क्षमता में इजाफा हुआ है। एनएमसीजी ने 36 घाटों की मरम्मत के लिए 11.73 करोड़ की मंजूरी दी है जिनका काम इस साल जून तक पूरा होने की उम्मीद है।

संपादकीय

पीयूष गोयल ने बजट भाषण के अंत में कहा कि हमने एक साथ मिलकर नींव रखी है, अब जनता के साथ मिलकर देश की भव्य इमारत बनाएंगे। सीधा अर्थ है, बजट के माध्यम से मोदी सरकार ने मतदाताओं से कहा है कि इस इमारत को बनाने के लिए हमें आगे भी काम करने का मौका दें। लोगों की भावनाओं और विकास का भव्य एजेंडा दिखाकर सरकार ने अपने लिए जो मांगा है, जनता क्या देगी, यह देखना बेहद दिलचस्प होगा।

बजट में विकास का व्यापक विजन

चुनाव से पहले अंतरिम बजट के बारे में आम धारणा यही रहती है कि इसमें खजाने से मतदाताओं को लुभाने की कोशिश होगी। वित्त मंत्री अरुण जेटली की अनुपस्थिति में पीयूष गोयल द्वारा प्रस्तुत बजट की एक कसौटी यकीनन यही होगी। बजट में कोई सख्त कदम नहीं उठाना तथा सभी वर्गों के लिए कुछ न कुछ रियायत या प्रत्यक्ष लाभ देने की कोशिशों को अर्थशास्त्र से ज्यादा राजनीतिक शास्त्र माना जाएगा। किंतु बजट को यहीं तक सीमित करने से इसका पूर्ण और निष्पक्ष आकलन नहीं हो पाएगा। चुनाव को ध्यान में रखते हुए भी विकास के व्यापक विजन और कार्ययोजनाओं वाला बजट है। पीयूष गोयल ने अपने भाषण के अंत में कहा कि यह सिर्फ अंतरिम बजट नहीं, देश की विकास यात्रा का माध्यम है। आगे उन्होंने कहा कि हम देशवासियों के बलबूते पर भारत को दुनिया का एक अग्रणी देश बनाएंगे। हमने एक साथ मिलकर केवल नींव रखी है, अब भारत की जनता के साथ मिलकर देश की भव्य इमारत बनाने जा रहे हैं। इसका अगर सीधे शब्दों में अर्थ लगाएं तो बजट के माध्यम से नरेंद्र मोदी सरकार ने मतदाताओं से कहा है कि अभी तक हमने देश को दुनिया का प्रमुख देश बनाने के लक्ष्य की दृष्टि से नींव तो डाल दी है लेकिन इमारत बनना शेष है यानी इस इमारत को बनाने के लिए हमें आगे भी काम करने का मौका दें। इस बजट में हम अनेक कमियां निकाल सकते हैं, किंतु अंतरिम बजट तो छोड़िए मुख्य बजट मे भी राष्ट्र के भावी लक्ष्य या नवनिर्माण की इतनी व्यापक रूपरेखा नहीं देखी गई।

पिछले साल के कुल खर्च 24 लाख 57 हजार 235 करोड़ से बढ़ाकर 27 लाख 84 लाख 200 करोड़ का बजट पेश किया गया है। यह वृद्धि 13.3 प्रतिशत है। इसमें सभी वर्ग के मतदाताओं को खुश करने के साथ देश के विकास तथा समाज के सभी तबकों को उसकी मुख्यधारा में रखने का व्यापक दर्शन है। 2030 तक का भारत का लक्ष्य निर्धारित कर देना और उसको पूरा करने के लिए 10 आयामों की घोषणा इस बजट को देश निर्माण का एक रोडमैप बना देता है। अगले 10 वर्षों में भारत को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य अत्यंत कठिन है मगर बजट की खासियत यही है कि पीयूष गोयल का भाषण इस तरह से तैयार किया गया था और हर क्षेत्र के आंकड़े इस तरह से दिए गए कि पहली नजर में लगता है कि वाकई ऐसा हो सकेगा।

दस आयामों को देखें तो भारत का सामाजिक और भौतिक आधारभूत संरचना सुदृढ़ हुआ है। यानी सबको छत, स्वास्थ्य, स्वच्छ वातावरण, समुचित शिक्षा मिले, सुदूर गांव का डिजिटलीकरण हो जाए, इलेक्ट्रिक वाहनों में दुनिया में आगे निकल जाए तो कितना बदलाव आ जाएगा इसकी कल्पना करिए। वहीं अन्य आयामों में समाज के निचले स्तर को फोकस कर गांवों की अर्थव्यवस्था को सशक्त करते हुए भारत को वैश्विक विनिर्माण का हब बनाने, गंगा सहित सभी नदियों को स्वच्छ कर देने, सबको स्वच्छ पेयजल, सूक्ष्म सिंचाई, समुद्र का पूरा उपयोग, तटीय क्षेत्र का पूरा विकास, अंतरिक्ष में ऊंची छलांग, और्गेनिक कृषि उत्पादन, कृषि का आधुनिकीकरण, स्वास्थ्य की हर संभव सुविधाएं व लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए व्यवस्थाएं, नौकरशाही का लोकतांत्रिकरण...आदि ऐसे पहलू हैं जिनकी कल्पना तो हम करते रहे हैं मगर एक साथ समग्र रूप में देश के नवनिर्माण के लिए इसे बजट में प्रस्तुत किए जाने का अतीत हमारे पास उपलब्ध नहीं है।

हालांकि, सपना देखने और पूरा करने में जमीन-आसमान का अंतर हो जाता है। इसलिए विजन और रूपरेखा बिल्कुल सही होते हुए भी भारत के इतिहास, राजनीति, और नौकरशाही के चरित्र के आलोक में इनके पूरा होने को लेकर आश्वस्त होना कठिन है। बजट इस तरह प्रस्तुत किया गया है कि आसानी इसकी आलोचना नहीं हो सकती। एक आधार के रूप में सरकार ने जो कुछ किया है उसको संक्षेप में देखा जाए। बजट भाषण में 2014 से दिसंबर 2018 तक की लघु ऐसी आर्थिक समीक्षा है जिससे यह साबित हो कि हर क्षेत्र में अर्थव्यवस्था ने संतोषजनक प्रगति की है। इसमें कुछ बातें सही भी हैं। जैसे, स्वच्छता अभियान के तहत शौचालय निर्माण 98 प्रतिशत गांवों तक पहुंचा है। पांच लाख 45 हजार गांव खुले शौच से मुक्त हुए हैं। 50 लाख 80 हजार बस्तियों में पक्की सड़कें बन चुकी हैं और शेष में बन रही हैं। 2014-18 के बीच प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पहले के मुकाबले पांच गुना ज्यादा घर निर्मित हुए हैं। 2014 तक ढाई करोड़ परिवार बिना बिजली के थे। सौभाग्य योजना से लगभग हर घर को बिजली का मुफ्त कनेक्शन उपलब्ध करा दिया गया। उज्जवला योजना के तहत साढ़े आठ करोड़ गैस कनेक्शन दिए गए हैं। डिजिटल इंडिया में काफी प्रगति हुई है। भारत विश्व में मोबाइल डेटा प्रयोग करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा देश है। मोबाइल एवं उसके उपकरण बनाने वाली कंपनियां दो से बढ़कर 268 हुई हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो 21एम्स काम कर रहे हैं उनमे 14 तो 2014 में की गई घोषणा में बने हैं।

एक करोड़ युवाओं को कौशल विकास योजना में प्रशिक्षण मिलने का दावा है। मुद्रा योजना के तहत सात लाख 23 हजार करोड़ रुपए का कर्ज मिलना भी बताता है कि स्वरोजगार की दिशा में प्रगति हुई है। लघु एवं सूक्ष्म उद्योग को एक करोड़ तक का कर्ज 59 मिनट में दिए जाने की भी प्रगति का दावा है। इस तरह देखें को बजट भाषण द्वारा सरकार ने यह विश्वास दिलाने की कोशिश की है कि हमने सही दिशा में सबको फोकस में रहते हुए प्रगति की है और आगे भी करेंगे। इसे आप जिस रूप में लीजिए। अब आगे की योजनाओं पर ध्यान दीजिए। कृषि और किसान हाल के वर्षों में बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि नई योजना है जिसके तहत दो हेक्टेयर तक जमीन वाले किसानों के खाते में तीन किश्तों में छह हजार रुपया प्रतिवर्ष स्थानांतरित किया जाएगा। यह छोटी राशि लगती है लेकिन ज्यादातर छोटे किसान पांच से 10 हजार कर्ज ही लेते हैं। किसानों के लिए कर्ज की राशि रिकॉर्ड 11 लाख 66 हजार करोड़ कर दी गई है। गोसंरक्षण के लिए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग का गठन विलंब से उठाया गया उचित कदम है। मछली पालन, पशुपालन करने वालों को भी किसान की श्रेणी में लाकर उनको क्रेडिट कार्ड देना तथा उस पर ब्याज में छूट भी प्रोत्साहित करने वाला है।

मध्यमवर्ग के लिए सबसे बड़ा कदम पांच लाख तक की आय सीमा को टैक्स मुक्त करना माना जा रहा है। असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए सामजिक सुरक्षा की घोषणा भी इस बजट की एक प्रमुख विशेषता है। सुरक्षा बीमा योजना के साथ प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन की योजना आरंभ हुई है। इसके तहत 60 वर्ष की उम्र के बाद 3 हजार पेंशन मिलेगी। व्यापारी वर्ग सरकार के कई कदमों से नाराज है जिसमें जीएसटी प्रमुख है। 250 करोड़ रुपए टर्न ओवर वाली कंपनियों का कर घटा दिया गया। जीएसटी में तो पहले ही कमी कर दी गई थी। अब एक सीमा तक वाली कंपनियों को तीन महीने पर जीएसटी रिटर्न भरना होगा। इसमें 90 प्रतिशत व्यापारी आ जाएंगे। व्यापारी इसे किस रूप में लेते हैं देखना होगा।

बहरहाल, सभी वर्गों के लिए इतना कुछ करते हुए भी अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे तेज विकसित बनाए रखना हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला है। सबसे बड़र चिंता राजकोषीय घाटे की थी जो पिछले वर्ष के 3.3 प्रतिशत लक्ष्य को पा चुका है। अगले वर्ष 3.4 प्रतिशत हो सकता है। चालू खाते का घाटा 2.5 प्रतिशत तक सीमित रखना भी उपलब्धि है। अब देखना यह है जितनी भी घोषणाएं हुई हैं उनका कितना धरातल पर उतर पाता है। पर इसे कुल मिलाकर चुनाव पूर्व की राजनीति के अनुसार एक बेहतर बजट कहा जा सकता है।

अवधेश कुमार
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

रेलवे ने हासिल की बड़ी सफलता

रेलवे ने अब देश से सभी मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग को खत्म करने का दावा किया है। अगर इसे सच मान लें तो यह बड़ी कामयाबी है। चौकीदार रहित क्रॉसिंग इतने बड़े रेलतंत्र में एक अभिशाप की तरह चिपक गई थी, जो समय-समय पर अपना कहर बरपाती रही।

एक समय रेल हादसों का प्रमुख कारण रहीं मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग अब देश से पूरी तरह खत्म हो चुकी हैं। रेलवे ने देश से सभी मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग को खत्म करने का दावा इस साल की शुरुआत में ही कर दिया था। बस एक क्रॉसिंग इलाहाबाद मंडल में बची थी। उसे भी 31 जनवरी को खत्म कर दिया गया। 2014-2015 में मानवरहित फाटकों पर विभिन्न घटनाओं में 130 लोगों की जान चली गई थी। 2015-16 में ऐसे फाटकों पर 58 लोगों और 2016-17 में 40 लोगों की मौत हुईं। 2017-2018 में 26 लोग ऐसे फाटकों पर जान गंवा बैठे, जबकि पहली अप्रैल, 2018 से 15 दिसंबर, 2018 तक 16 लोग मारे गए थे, उनमें 13 लोग कुशीनगर हादसे में मारे गए, जिनमें ज्यादातर बच्चे थे। पिछले साल अप्रैल में हुए कुशीनगर हादसे के बाद ही रेल मंत्री पीयूष गोयल ने सभी मानवरहित फाटकों को खत्म करने की समय सीमा 2020 से घटाकर सितंबर, 2019 कर दी थी। अब रेलवे के इस दावे के अनुरूप देखें तो भारत में चौकीदार-रहित रेलवे क्रॉसिंग इतने बड़े रेलतंत्र में किसी अभिशाप की तरह चिपक गई थी, जो समय-समय पर अपना कहर बरपाती रही। वक्त-बेवक्त लोग जान गंवाते रहे और रेलवे की तैयारियों पर सवाल उठते रहे।

लगभग एक दशक से भी ज्यादा समय से हर बजट में मानव रहित रेल क्रॉसिंगों को खत्म करने का ऐलान हुआ, मगर कभी इच्छाशक्ति तो कभी बजट के अभाव में काम रुका रहा। जबकि यह हमेशा से कहा जाता रहा कि ट्रेन के मुसाफिर हों या रेलवे क्रॉसिंग से गुजरने वाले पैदल राहगीर और वाहन, लोगों की सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। रेलवे भी इस कड़वे सत्य को जानता रहा, लेकिन कोई ऐसी पुख्ता व्यवस्था लागू नहीं हो पाई जो ऐसे हादसों को रोक सके। हां, जुबानी और लिखित जमाखर्च करने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई। एक के बाद एक दुर्घनाएं होती रहीं, सवाल उठते रहे, मगर काम में तेजी नहीं दिखी। 2010-11 के रेल बजट में इन सभी को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा गया था और इनकी जगह ओवरब्रिज, सबवे जैसे विकल्प तैयार करने की बात कही गई थी। पर यह सब कागजों तक सीमित रहा। 2007-08 में रेलवे ने सुरक्षा मानकों के लिए 534 करोड़ की फंडिंग रिजर्व रखी थी जो 2008-09 में बढ़कर 566 करोड़ हो गई।

2009-10 में इस फंड को 901 करोड़ का कर दिया गया। इस तरह से देखें तो सुरक्षा के लिए प्रस्तावित धन में तो बढ़ोतरी हुई, दुर्घटनाओं में कमी नहीं हुई। मोदी सरकार ने आने के बाद इस दिशा में प्रगति दिखाई। फंड के दुरुपयोग पर नकेल कसी गई और अफसरों की जवाबदेही तय की गई, जिसका नतीजा है कि आज भारत मानव रहित रेल क्रॉसिंग से मुक्त हो सका। देश में जब बुलेट ट्रेन की तैयारी हो रही है, तब मानव रहित रेल क्रॉसिंग कोढ़ में खाज की तरह थीं। लेकिन अब भी कई काम हैं, जो रेलवे को करने बाकी हैं।

कैंसर की बीमारी बन रही घातक

दुनियाभर के वैज्ञानिक कैंसर की बीमारी का प्रभावी इलाज खोजने के लिए लगातार शोध कर रहे हैं। कीमोथेरेपी के अलावा कई ऐसे उपचार तैयार कर लिए गए हैं जिससे कैंसर को मात देने में सफलता मिल रही है। उसी का नतीजा है कि पिछले चार दशकों में कैंसर से उबरने वाले लोगों की संख्या में दो गुना बढ़ोतरी हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ जिनेवा और स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ बासेल के वैज्ञानिकों ने ऐसा वायरस तैयार किया है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को अधिक सक्रिय कर कैंसर के प्रोटीन को खत्म कर रहा है। उधर, लंदन के इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर रिसर्च के वैज्ञानिकों ने अंडाशय कैंसर के लिए प्रभावी दवा तैयार करने का दावा किया है। आंकड़ों पर गौर करें तो 1991 से अब तक कैंसर से मृत्यु दर में 23 प्रतिशत गिरावट दर्ज हुई है। आज की तारीख में 3.2 करोड़ लोग कैंसर को मात देकर जीवन जी रहे हैं।

पिछले चार दशकों में कैंसर से उबरने वाले लोगों की संख्या में भले ही दो गुना बढ़ोतरी हुई हो, मगर यह बीमारी रोज स्वरूप बदल रही है। विकासशील देशों में हालात ज्यादा खराब हैं। कैंसर के 90 फीसद से ज्यादा मरीजों का फर्स्ट स्टेज में इलाज हो सकता है, लेकिन इस स्तर पर ठोस पहल नहीं हो रही है। अगर लापरवाही जारी रही तो 2025 तक कैंसर के नए मामलों में 70 फीसद विकासशील देशों के हो सकते हैं।

अगर भारत की बात करें तो यहां सालाना होने वाली कुल मौतों में से छह फीसद मौतें कैंसर की वजह से होती हैं। आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर साल 3.5 लाख लोगों की मौत कैंसर से होती है। यानी यह दुनिया भर में कैंसर से होने वाली कुल मौतों का आठ फीसद है। एक अन्य आंकड़े के मुताबिक देश में हर रोज 13 हजार लोगों की मौत कैंसर से होती है। कैंसर से मरने वाले सर्वाधिक मामले उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार में देखे गए हैं। लेकिन अच्छी बात यह है कि विगत वर्षों में कैंसर से होने वाली मौत में कमी आई है। यहां ध्यान देने वाली बात यह कि भारत में कैंसर की प्रमुख वजहों में अशिक्षा, कुपोषण, गरीबी, कम उम्र में विवाह, महिलाओं का बार-बार गर्भवती होना और खराब सेहत है। अगर इस दिशा में सुधार के कदम उठाएं जाए तो परिणाम और बेहतर हो सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कैंसर के उपचार के विकल्प को मात्र तीन तरीके से पाटा जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले वैश्विक समुदाय को विकासशील देशों में कैंसर की जांच के लिए कार्यक्रम चलाने में मदद देनी चाहिए। इसके तहत रेडियोथेरेपी मशीनें उपलब्ध कराने के साथ ही भारत सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना की तरह आम लोगों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य बीमा को अपनाने का बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर हर साल कैंसर के उपचार में दुनिया में 320 अरब डॉलर का निवेश किया जाता है तो कैंसर से होने वाली मौतों की संख्या आधी हो जाएगी।

सर्वाइकल और स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाएं समय रहते पपानीकोलाउ (पैप) स्मीयर और मैमोग्राम स्क्रीनिंग टेस्ट कराकर तुरंत इलाज कराएं तो इस बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आईएआरसी के मुताबिक बेहतर उपचार होने की स्थिति में बचने वाले पांच मरीजों में से चार विकासशील देशों के होंगे। लेकिन विडंबना है कि कैंसर पीड़ित मरीजों विशेषकर महिलाओं में इस बीमारी को लेकर जागरुकता का घोर अभाव है और दूसरा यह कि उन्हें समय पर इलाज भी नहीं मिल रहा है। अच्छी बात यह है कि 2016-18 के दौरान 'वी कैन, आई कैन' की थीम निर्धारित की गई जिसका मकसद प्रत्येक व्यक्तित के सामूहिक व व्यक्तिगत स्तर पर वैश्विक रूप से कैंसर की रोकथाम की दिशा में प्रयास करना है। इस थीम के तहत लोग अपनी जीवनशैली को स्वस्थ रखकर तथा परिवार एवं समुदाय को इसके प्रति जागरूक रखकर कैंसर की रोकथाम और उससे बचाव की दिशा में अहम योगदान का सहभागी बन सकते हैं।

यह इसलिए भी आवश्यक है कि गत वर्ष अमेरिकन कैंसर सोसायटी और प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल लैंसेट ने दावा किया था कि 2030 तक कैंसर से होने वाली मौतों में 60 फीसद का इजाफा होगा। उसने यह भी कहा था कि कैंसर से सालाना 55 लाख महिलाएं अपनी जान से हाथ धो सकती हैं। दरअसल विशेषज्ञों ने शोध में पाया है कि वर्तमान समय में दुनिया की प्रत्येक सात महिलाओं की मौतों में एक की मौत कैंसर से हो रही है। एक अन्य शोध से उद्घाटित हुआ है कि 2030 तक सर्वाइकल (बच्चेदानी का मुंह) कैंसर से पीडित महिलाओं की संख्या में 25 फीसद का इजाफा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि मौजूदा समय में सर्वाइकल कैंसर की चपेट में आकर हर साल दुनिया में तकरीबन दो लाख 75 हजार महिलाओं की मौत हो रही है। यदि आंकड़ों पर गौर करें तो सर्वाइकल कैंसर से दम तोड़ने वाली महिलाओं की 85 फीसदी आबादी केवल विकासशील देशों से है। 2012 में कैंसर के एक करोड़ 40 लाख मामले उजागर हुए जिसमें 82 लाख लोगों की मौत हुई। इनमें एक करोड़ 40 लाख मामलों में 60 फीसद से अधिक लोग अफ्रीका, एशिया और दक्षिण अमेरिका के रहने वाले थे। कैंसर से मरने वाले 70 फीसद से अधिक लोग इन्हीं तीन महाद्वीपों के होते हैं।

चिंता की बात यह भी कि कैंसर से पीड़ित महिलाओं के सर्वाधिक मामले भी गरीब देशों में ही देखे जा रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक 2012 में महिलाओं के कैंसर के मामलों में 56 फीसद और 64 फीसद मौतें गरीब देशों में हुई। उल्लेखनीय तथ्य यह कि गरीब देशों में कैंसर से होने वाली कुल मौतों में दो तिहाई स्तन कैंसर और 10 में से नौ सर्वाइकल कैंसर से होती है। अगर शोधकर्ताओं की मानें तो आर्थिक बदलाव से बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता, असंतुलित खुराक, मोटापा और प्रजनन कारकों के चलते गरीब देशों में कैंसर पीड़ित महिलाओं की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। अगर नियमित शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा दिया जाए तो इससे शरीर संतुलित रहेगा और एक तिहाई कैंसर के मामले रोके जा सकते हैं। 'इंडस हेल्थ प्लस' की रिपोर्ट की मानें तो शहरों में बढ़ते हुए मोटापे के कारण 10 से 12 फीसद जनसंख्या पेट के कैंसर के जोखिम के दायरे में आ गई है। 25 से 30 वर्ष के आयु वर्ग की 17 फीसद जनसंख्या में तंबाकू के सेवन के कारण मुख एवं फेफड़े के कैंसर का उच्च स्तरीय खतरा बन गया है।

चिकित्सकों का कहना है कि एक तिहाई से ज्यादा कैंसर तंबाकू या उससे बने उत्पादों के सेवन की देन है जबकि एक तिहाई खान-पान व रहन-सहन या दूसरे कारणों हो होते हैं। जहां तक महिलाओं द्वारा तंबाकू के सेवन का सवाल है तो संख्या में वृद्धि हो रही है। लेकिन महिलाओं को तंबाकू के सेवन से बचना चाहिए क्योंकि उनका शरीर तंबाकू के प्रति उच्च संवेदनशील होता है। तंबाकू के सेवन से उनमें सर्वाइकल कैंसर का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। तंबाकू के सेवन के अलावा घर व बाहर का वायु प्रदुषण भी कैंसर के बढ़ते खतरे का शबब बनता जा रहा है। भारत में बढ़ते वायु प्रदुषण के कारण दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 35 से 45 आयु वर्ग के लोग विभिन्न प्रकार के कैंसर के जोखिम के दायरे में आ रहे हैं जिसके लिए वायु प्रदूषण भी जिम्मेदार है।

हालांकि विश्व कैंसर दिवस के संस्थापक 'यूनियन फॉर इंटरनेशनल कैंसर कंट्रोल का दावा है कि विकासशील देश में फैली बीमारी सिर्फ उपचार के विकल्प की कमियों का नमूना भर है। यूनियन का कहना है कि अगर 'एचपीवी टीका' कैंसर मरीजों के बीच वितरित किया जाए तो सर्वाइकल कैंसर को समाप्त किया जा सकता है। विकासशील देशों की इस टीके तक पहुंच ही नहीं है जिसके कारण कैंसर पीड़ितों की मौत का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। अगर हम चाहते हैं कि बीमारी पर रोक लगे तो पूरी दुनिया को मिलकर प्रयास करना होगा।

अरविंद जयतिलक
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

2014 में सरकार ने स्पष्ट कर दिया था कि मानव रहित क्रॉसिंगों को तय समय में खत्म करना है। हमने यह कर दिखाया। अब जो काम शेष हैं, वे भी पूरे होंगे।

मनोज सिन्हा, रेल राज्यमंत्री

भारत में रेल दुर्घटना का एक बड़ा कारण मानव रहित क्रॉसिंग मानी जाती थीं। अब भी कई काम होने शेष हैं, जो दुर्घटना का करण बनते रहे हैं या फिर बन सकते हैं।

दिनेश त्रिवेदी, पूर्व रेल मंत्री

सत्यार्थ

पौधे की तरह झुकना सीखें

जब भीष्म पितामह कुरुक्षेत्र में शरशैय्या पर पड़े हुए थे, तब कौरव और पांडव समूह के कई लोग उन के चारों ओर खड़े थे। पितामह ने धीमे स्वर में कहा-अब मैं मृत्यु का वरण करना चाहता हूं। मेरे पास कुछ ही समय शेष है। यह सुनकर धर्मराज युधिष्ठिर उनके चरणों में बैठते हुए बोले- पितामह, आपके मार्गदर्शन में हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। आज जब आपका अंत समय करीब है, तो मैं आपसे यह निवेदन करना चाहता हूं कि आप हमें कोई ऐसी उपयोगी शिक्षा दें, जो हमारे आगे

के जीवन के लिए लाभदायक हो। भीष्म पितामह ने कहा-आज मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं, जिसमें जीवन का सार छिपा है। एक दिन समुद्र ने नदी से प्रश्न किया- तुम बड़े-बड़े पेड़ों को तो बहा ले आती हो, लेकिन क्या कारण है कि नन्ही घास, कोमल बेलों और नरम पौधों को तुम अपने साथ नहीं ला पातीं? नदी बोली- जब-जब मेरे पानी का बहाव आता है, तब-तब बेलें, घास के तिनके व नरम पौधे झुक जाते हैं। मगर वृक्ष अपनी कठोरता के कारण झुकने को तैयार नहीं होते। वे सीधे खड़े रहते हैं और उखड़कर बह जाते हैं। वहीं छोटे पौधे इसलिए ज्यों के त्यों बने रहते हैं, क्योंकि उनका विनम्र स्वभाव मुझे आगे बढ़ने का रास्ता दे देता है, जबकि बड़े पेड़ अहंकार से तन जाते हैं और आप तो यह जानते ही हैं कि विनम्रता के आगे अहंकार परास्त हो ही जाता है। नदी के जवाब से समुद्र संतुष्ट हो गया। यह कहानी सुनाकर पितामह बोले- शायद आप सब भी इस कहानी का सार समझ गए होंगे कि व्यक्ति को सदैव विनम्र रहना चाहिए और विनम्र रहते हुए ही अपने जीवन के मार्ग पर बढ़ना चाहिए। इतना कहते-कहते भीष्म पितामह ने हमेशा के लिए अपनी आंखें मूंद लीं।

रेनू सैनी

सार समाचार

यमन में जारी संघर्षविराम को खतरे में न डालें : संयुक्त राष्ट्र

दुबई। यमन में संयुक्त राष्ट्र मिशन के प्रमुख ने सऊदी समर्थित सरकार और हूती विद्रोहियों को चेतावनी दी है कि होदेदा शहर में सात सप्ताह से जारी संघर्षविराम बहुत संवेदनशील है और वह मौके पर मौजूद अपने कमांडरों से इस संघर्षविराम का सम्मान करने को कहें। डच जनरल (सेवानिवृत्त) पैट्रिक कामाएर्ट ने रविवार को होदेदा बंदरगाह पर एक जहाज में संघर्षविराम जारी रखने के मकसद से सरकारी प्रतिनिधियों और हूती विद्रोहियों के साथ बैठक की। संयुक्त राष्ट्र के एक बयान में कहा गया है कि बातचीत सोमवार को भी जारी रहेगी। उसने बैठक को ‘मैत्रीपूर्ण और रचनात्मक’ बताया। यह बैठक स्वीडन में दोनों पक्षों के बीच दिसंबर में हुए संघर्षविराम समझौते को लागू करने में आ रहीं दिक्कतों को दूर करने के लिये हुई है। स्वीडन समझौते में हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले होदेदा बंदरगाह में संघर्षविराम लागू करने, वहां से बलों को पीछे हटाने और मानवीय मदद के लिये रास्ता खोलने के लिये कहा गया था। संयुक्त राष्ट्र के बयान के अनुसार, कामाएर्ट ने दोनों पक्षों को संघर्षविराम की संवेदनशीलता को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्ष मौके पर मौजूद अपने कमांडरों को आदेश दें कि वह किसी भी ऐसे उल्लंघन से बचें जिससे यमन में शांति के लिये हुआ समझौता खतरे में पड़ जाए। इससे पहले पोप फ्रांसिस ने भी यमन में मानवीय मदद पहुंचाने के लिये संघर्षविराम समझौते का सम्मान करने की अपील की थी।

मेक्सिको तेल चोरी के दौरान हुए हादसे में मरने वालों की संख्या 125 हुई

मेक्सिको सिटी। मध्य मेक्सिको में पाइपलाइन में आग लगने से हुए हादसे में मरने वालों की संख्या 125 हो गई है। सरकार ने यह जानकारी दी। हादसा जनवरी में हुआ था। सामाजिक सुरक्षा कार्यालय आईएमएसएस की एक खबर के अनुसार अन्य 22 लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें से अधिकतर लोग 80 प्रतिशत झुलस गए हैं। गौरतलब है कि 18 जनवरी को हिडाल्गो में पाइप लाइन को जानबूझकर तेल चुराने के लिए तोड़ा गया था। स्थानीय लोग पाइपलाइन से हो रहे रिसाव वाले स्थान पर तेल चुराने के लिए जमा थे तभी आग लग गई। हादसा ऐसे समय हुआ था जब मेक्सिको के राष्ट्रपति एंद्रेस मैनुएल लोपेज ईंधन चोरी को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करने की योजना बना रहे हैं।

बहामास में जहाज डूबने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हुई

मियामी। बहामास में एबैको तट पर जहाज डूबने के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। रॉयल बहामास रक्षा बल ने बताया कि दो दिन के बचाव अभियान के बाद अब तक कुल 17 लोगों को जिंदा बचाया जा चुका है और 28 शव बरामद किये गए हैं। हादसा शनिवार को हुआ था जब हैती के नागरिकों को ले जा रहा जहाज एबैको के मार्श हार्बर तट से दस किलोमीटर दूर फॉल केय के नजदीक डूब गया था। हादसे के बाद शनिवार को रॉयल बहामास रक्षा बल और अमेरिकी तटरक्षकों के संयुक्त अभियान में 13 शव बरामद किये गए थे। रविवार को 15 शव और मिलने के बाद मृतकों की संख्या 28 हो गई है। हैती में अमेरिकी दूतावास ने एक ट्वीट में कहा कि जहाज के जरिये लोगों की तस्करी की जा रही थी। कोई भी यात्रा जीवन से बढ़कर नहीं है। परिवारों और समुदायों से आग्रह है कि अवैध प्रवास और तस्करी से बचें। इसका नतीजा त्रासदी के रूप में सामने आता है।

अमेरिका में भारतीय ने कबूला मानव तस्करी का जुर्म, जानें कैसे इस अपराध को देते थे अंजाम

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

अमेरिका में गिरफ्तार 60 वर्षीय भारतीय यदविंदर सिंह भांबा ने मानव तस्करी से जुड़े रैकेट में शामिल होने की बात कबूल ली है। उसने भारत के करीब 400 लोगों की अमेरिका में अवैध रूप से दाखिल होने में मदद की थी। अमेरिकी अदालत में इस मामले में सजा पर अप्रैल में बहस होगी।

न्याय विभाग के अनुसार, यदविंदर ने प्यूर्टोरिको के जिला जज सिविया कार्नेनो-कोल के समक्ष मानव तस्करी की साजिश रचने के आरोपों में अपना अपराध स्वीकार किया। यदविंदर ने बताया कि साल 2013 से डोमिनिकन गणराज्य, हैती, प्यूर्टोरिको, भारत और अन्य जगहों से संचालित मानव तस्करी में वह सरगना की भूमिका में था।

उसने 2013 से 2015 के दौरान करीब 400 लोगों की अमेरिका में अवैध रूप से दाखिल होने में निजी तौर पर मदद की थी। वह कैरेबियाई क्षेत्र से बाहर तस्करी में लिप्त अपने अन्य साथियों को भी निर्देश देता था। भारत से अमेरिका पहुंचाने के लिए लोगों से 30 से लेकर 85 हजार डॉलर तक वसूले जाते थे। उसे अगस्त, 2017 में डोमिनिकन गणराज्य से गिरफ्तार किया गया था। बाद में उसे प्रत्यर्पित कर प्यूर्टोरिको लाया गया।

लोगों की जानकारी चुरा रहे थे ब्यूटी एप्स, गूगल ने हटाया

ऐसे करते थे मानव तस्करी

न्याय विभाग ने कहा कि यदविंदर और उसके साथी खतरनाक तरीके से मानव तस्करी करते थे। इसके लिए पुरानी और बिना लाइसेंस वाली नौकाओं का प्रयोग किया जाता था। इन असुरक्षित नौकाओं में क्षमता से ज्यादा लोगों को बैठाया जाता था।

ट्रंप ने कहा, विपक्ष से बात करना समय की बर्बादी, देश के लिए कभी भी लगा सकता हूं इमरजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका में अवैध प्रवासियों को घुसने से रोकने के लिए देश की दक्षिणी मैक्सिको सीमा पर दीवार के वास्ते धन जुटाने के लिए वह राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने के करीब पहुंच रहे हैं. राष्ट्रीय आपातकाल घोषित होने से ट्रंप कांग्रेस से मंजूरी लिये बगैर दीवार खड़ी करने की दिशा में आगे बढ़ पायेंगे और उन्हें आपदा राहत कोष का धन दक्षिणी मैक्सिको सीमा पर दीवार बनाने में खर्च करने की कार्यकारी शक्तियां मिल जाएंगी. ट्रंप ने सीबीएस न्यूज के ‘फेस द नेशन’ कार्यक्रम में कहा कि सीमा सुरक्षा पर विपक्षी डेमोक्रेट के साथ बातचीत बस समय की बर्बादी है.

उन्होंने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी पर बहुत ही अड़ियल रहने और खराब राजनीति करने का आरोप भी लगाया. उन्होंने कहा,‘‘मैं समझता हूं कि वह बहुत अड़ियल हैं- जिसकी मुझे आशा भी थी-- मैं समझता हूं कि वह देश के लिए खराब हैं.

उन्हें पता है कि आपको एक अवरोधक चाहिए, उन्हें मालूम है कि हमें सीमा सुरक्षा की जरुरत है. (फिर भी) मूल रुप से वह खुली सीमा के पक्ष में हैं, उन्हें मानव तस्करी की तनिक भी परवाह नहीं है.’’ ट्रंप ने कहा कि पेलोसी इस दीवार के विषय पर अपने रुख से देश पर अरबों डॉलर का बोझ डाल रही है. उन्होंने कहा, ‘‘वह हमारे देश को भयंकर नुकसान पहुंचा रही हैं.’’ उन्होंने कहा, ‘‘हमारी निगाहें आपातकाल की ओर हैं क्योंकि क्योंकि मैं नहीं समझता कि कुछ होने जा रहा है. मैं समझता हूं कि डेमोक्रेट सीमा सुरक्षा नहीं चाहते हैं. और जब मैं उन्हें यह कहते हुए सुनता हूं कि दीवारें न्यायविरुद्ध हैं और दीवारों से बात नहीं बनेगी तो (मुझे लगता है कि) वे जानते हैं कि वे काम आती हैं.’’ इस बीच पेलोसी कार्यालय ने ट्रंप पर धृष्टतापूर्ण बयान देने का आरोप लगाया.

अमेरिका : व्यक्ति ने भारत से 400 लोगों की मानव तस्करी की, कबूला अपराध

न्यूयार्क (एजेंसी)।

अमेरिका में एक भारतीय व्यक्ति (60) ने एक खतरनाक अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी की साजिश में अपनी भूमिका के साथ ही लाभ के लिए भारत से करीब 400 व्यक्तियों को अमेरिका में गैरकानूनी तरीके से प्रवेश में सहायता करने का दोष स्वीकार किया है।

न्यूज एजेंसी भाषा के मुताबिक यादविंदर सिंह भाम्बा ने पिछले महीने प्यूर्टो रिको जिला मजिस्ट्रेट न्यायाधीश सिविया कैरेनो कोल के समक्ष विदेशियों की तस्करी अमेरिका में करने के षड्यंत्र का हिस्सा होना स्वीकार किया। सजा के ऐलान के लिए सुनवायी अप्रैल में किया जाना निर्धारित है। भाम्बा ने अर्जी में स्वीकार किया है कि 2013 से उसकी डोमिनिक गणराज्य, हैती, प्यूर्टो रिको, भारत और अन्यत्र से संचालित होने वाले एक मानव तस्करी षड्यंत्र में नेतृत्व की भूमिका थी।

न्याय विभाग के आपराधिक डिवीजन के असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल ब्रायन बेंच्कोवस्की ने बताया कि षड्यंत्र के तहत भाम्बा ने करीब 400 लोगों की 2013 से 2015 के बीच गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में प्रवेश में निजी तौर पर सहायता की। विभाग ने बताया कि व्यक्तियों ने भारत से अमेरिका ले जाये जाने के लिए 30 हजार से 85 हजार अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया और कम से कम 2013 से 2016 के बीच मानव तस्करी भाम्बा की आय का प्राथमिक स्रोत थी। भाम्बा को अगस्त 2017 में डोमिनिक गणराज्य से गिरफ्तार किया गया था और बाद में प्यूर्टो रिको भेज दिया गया।

लोगों की जानकारी चुरा रहे थे ब्यूटी एप्स, गूगल ने हटाया

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

स्मार्टफोन की हर स्मार्टनेस विभिन्न एप्स पर ही निर्भर करती है। कॉल मिलाने से लेकर फोटो खींचने तक सब कुछ किसी ना किसी एप के जरिये ही होता है। स्मार्टफोन के बढ़ते इस्तेमाल ने एप्स का भी एक समानांतर बाजार खड़ा कर दिया है। इसी बाजार का फायदा कुछ एप डेवलपर गलत तरीके से भी उठाते हैं। कई एप डेवलपर धोखे से यूजर की जानकारियां चुराने की कोशिश करते हैं। गूगल ने हाल में ऐसे 29 ब्यूटी कैमरा एप्स को अपने एंड्रॉयड प्लेटफॉर्म से हटाया है।

ये सभी एप्स यूजर्स को ऐसी फिशिंग वेबसाइट तक ले जाते थे, जहां उनकी निजी जानकारियां चोरी होने का खतरा था। लाखों की संख्या में लोगों ने इन एप्स को डाउनलोड किया था। एशियाई देशों में इनका इस्तेमाल करने वालों की संख्या ज्यादा थी। विशेषरूप से भारतीयों ने इन्हें बड़ी संख्या में डाउनलोड किया था। अमेरिका की साइबर सिक्योरिटी फर्म ट्रेंड माइक्रो के मुताबिक, इन एप्स को गूगल ने प्ले स्टोर से हटा दिया है।

दिखाते हैं फर्जी विज्ञापन

रिपोर्ट के मुताबिक, जब यूजर इनमें से किसी एप को इंस्टॉल करता है, तब उसे कुछ भी गलत नहीं लगता। इंस्टॉल होने के बाद ये एप यूजर के स्मार्टफोन की स्क्रीन पर विज्ञापन पॉप-अप करने लगते हैं। विज्ञापन अक्सर फर्जी और पोर्न से संबंधित होते हैं। विज्ञापन इस तरह से आते हैं कि यूजर के लिए यह जानना भी मुश्किल हो जाता है कि विज्ञापन का स्रोत क्या है। क्लिक करने पर अक्सर ये विज्ञापन यूजर को ऐसे लिंक पर ले जाते हैं, जहां उनसे नाम और फोन नंबर जैसी निजी जानकारियां मांगी जाती हैं।

अनइंस्टॉल करना भी मुश्किल

यूजर इन एप्स को इंस्टॉल तो आसानी से कर लेते हैं, लेकिन इन्हें अनइंस्टॉल करना मुश्किल होता है। अक्सर इंस्टॉल होते ही ये एप एक शॉर्टकट बना देते हैं। शॉर्टकट के बाद इनका आइकन एप लिस्ट से गायब हो जाता है। ऐसे में यूजर के लिए इन्हें सीधे ड्रैग और अनइंस्टॉल करना संभव नहीं रह जाता है। अनइंस्टॉल करने के लिए यूजर को सेटिंग्स में जाना पड़ता है।

यमन में जारी संघर्षविराम को खतरे में न डालें : संयुक्त राष्ट्र

दुबई (एजेंसी)।

यमन में संयुक्त राष्ट्र मिशन के प्रमुख ने सऊदी समर्थित सरकार और हूती विद्रोहियों को चेतावनी दी है कि होदेदा शहर में सात सप्ताह से जारी संघर्षविराम बहुत संवेदनशील है और वह मौके पर मौजूद अपने कमांडरों से इस संघर्षविराम का सम्मान करने को कहें.

डच जनरल (सेवानिवृत्त) पैट्रिक कामाएर्ट ने रविवार को होदेदा बंदरगाह पर एक जहाज में संघर्षविराम जारी रखने के मकसद से सरकारी प्रतिनिधियों और हूती विद्रोहियों के साथ बैठक की.

संयुक्त राष्ट्र के एक बयान में कहा गया है कि बातचीत सोमवार को भी जारी रहेगी. उसने बैठक को ‘मैत्रीपूर्ण और रचनात्मक’ बताया.

यह बैठक स्वीडन में दोनों पक्षों के बीच दिसंबर में हुए संघर्षविराम समझौते को लागू करने में आ रहीं दिक्कतों को दूर करने के लिये हुई है. स्वीडन समझौते में हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले होदेदा बंदरगाह में संघर्षविराम लागू करने, वहां से बलों को पीछे हटाने और मानवीय मदद के लिये रास्ता खोलने के लिये कहा गया था.

संयुक्त राष्ट्र के बयान के अनुसार, कामाएर्ट ने दोनों पक्षों को संघर्षविराम की संवेदनशीलता को लेकर चेतावनी दी है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्ष मौके पर मौजूद अपने कमांडरों को आदेश दें कि वह किसी भी ऐसे उल्लंघन से बचें जिससे यमन में शांति के लिये हुआ समझौता खतरे में पड़ जाए.

इससे पहले पोप फ्रांसिस ने भी यमन में मानवीय मदद पहुंचाने के लिये संघर्षविराम समझौते का सम्मान करने की अपील की थी.

बोलीविया राजमार्ग पर भूस्खलन के कारण कम से कम 11 लोगों की मौत

अल चोरो (बेलीविया) (एजेंसी)।

बोलीविया के अल चोरो में भूस्खलन के कारण राजमार्ग पर कई कारें धंस जाने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है। भूस्खलन के कारण कम से कम 18 अन्य लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि पिछले तीन दिन से जारी भारी बारिश के कारण इसी स्थान पर फिर से ताजा भूस्खलन आए, हालांकि इनके कारण किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। लोक निर्माण कार्य प्रमुख ऑस्कर कोका ने बताया कि भूस्खलन के कारण 200 मीटर नीचे धंसी दो कारों से शव बरामद किए गए हैं। पुलिस जनरल रोमुलो डेलगाडो ने बताया कि मृतकों में छह वयस्क और पांच नाबालिग हैं।

वेनेजुएला : 1 नहीं 4-4 देशों ने राष्ट्रपति को दी धमकी, कहा- चुनाव कराओ, मादुरो ने कहा- नहीं

काराकास (एजेंसी)।

परेशानियों से घिरे वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने यूरोपीय देशों द्वारा दिए गए अल्टीमेटम को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अल्टीमेटम पर अपना आधार नहीं बना सकती. यूरोपीय देशों ने वेनेजुएला से समय से पहले चुनाव कराने का आह्वान किया है. सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और स्पेन ने मादुरो को रविवार तक राष्ट्रपति चुनाव कराने की घोषणा करने का वक्त दिया है और चुनाव की घोषणा नहीं होने की स्थिति में वे जुआन गुएडो को स्वघोषित अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर मान्यता दे देंगे. मादुरो ने स्पैनिश निजी चैनल लासेक्स्टा को रविवार को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ÷हम किसी का भी अल्टीमेटम स्वीकार नहीं करते हैं. ‘उन्होंने कहा, ‘अगर ऐसा है तो मैं यूरोपीय संघ (ईयू) जाता हूं और कहता हूं कि मैं आपको कैटालोनिया गणराज्य को मान्यता देने के लिए सात दिन का समय देता हूं और अगर ऐसा नहीं होता है तो हम अगला कदम उठाएंगे. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अल्टीमेटम पर अपना आधार नहीं बना सकती. यह साम्राज्यवाद या उपनिवेशों का युग है.÷ मादुरो ने सवाल किया कि क्या ईयू को उनके देश के लिए राजनैतिक नियम थोपने चाहिए? उन्होंने कहा, ‘क्यों ईयू दुनिया में एक देश को अपना राष्ट्रपति चुनाव फिर से कराने को कह रहा है?

जबकि राष्ट्रपति चुनाव पहले ही उस देश के संविधान, उसके कानून, उसके संस्थान के मुताबिक और अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षकों के साथ हो चुके हैं? क्यों? क्योंकि वेनेजुएला में उनके दक्षिणपंथी सहयोगी नहीं जीते?’ मादुरो ने अपने देश में मानवीय संकट की भी स्वीकारने से इनकार कर दिया.

टापू पर सिसकियां ले रहा था बीमार मासूम तभी मसीहा बनकर पहुंचे भारतीय कोस्ट गार्ड, पीआईसीएस वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय तटरक्षक के पायलटों ने मालदीव के गन द्वीप से गंभीर रूप से बीमार नवजात को सफलतापूर्वक निकाल लिया है. सोमवार सुबह सुरक्षित निकाले गए बीमार नवजात को इमरजेंसी स्पेशलिस्ट इलाज के लिए राजधानी माले ले जाया गया है. मालदीव में स्थानीय लोगों की मदद के लिए भारतीय हेलीकॉप्टर ध्रुव मौजूद है.

भारत, मालदीव हिंद महासागर की सुरक्षा पर सहयोग बढ़ाएंगे

भारत और मालदीव ने 17 दिसंबर प्रधानमंत्री नरेंद्र पीएम मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद हिंद महासागर में शांति व सुरक्षा को बनाए रखने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी. दोनों पक्षों ने संस्कृति सहयोग, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स सहयोग, कृषि व्यापार के लिए बेहतर वातावरण बनाने समेत चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे. पीएम पीएम मोदी ने वार्ता के बाद सोलिह के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, ‘राष्ट्रपति सोलिह और मैं इस बात पर सहमत हैं कि हिंद महासागर में सुरक्षा व शांति बनाए रखने के लिए हमें हमारे सहयोग को और मजबूत करने की जरूरत है.’ उन्होंने कहा, ‘भारत और मालदीव दोनों हमारे क्षेत्र में विकास व स्थिरता में बराबर हित व भागीदारी साझा करते हैं.’ यह बताते हुए कि दोनों देशों के सुरक्षा हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, पीएम पीएम मोदी ने कहा कि क्षेत्र की स्थिरता और एक-दूसरे की चिंताओं व हित पर सर्वसम्मति है. उन्होंने कहा, ‘हम अपने देशों का एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने की कोशिशों के लिए इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं देंगे.’ उन्होंने कहा, ‘मैं राष्ट्रपति सोलिह के साथ हमारे क्षेत्र के उज्जवल भविष्य और भारत व मालदीव के बीच संबंधों की सभी संभावनाओं के लिए काम करना चाहता हूं.’ दोनों नेताओं के बीच चर्चा के बाद जारी संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों नेता गश्त और हवाई सर्वेक्षण के समन्वय के जरिए हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने और सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए. बयान के अनुसार, ‘दोनों नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों से निपटने के लिए समर्थन और सहयोग की प्रतिबद्धता दोहराई.’ बयान के अनुसार, ‘दोनों क्षेत्र समुद्री डकैती, आतंकवाद, संगठित अपराध, मादक पदार्थों और मानव तस्करी समेत सामान्य चिंताओं के विषय पर द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई.’ प्रधानमंत्री ने मालदीव के राष्ट्रमंडल में दोबारा शामिल होने के निर्णय की सराहना की और देश के हिंद महासागर रिम एसोसिएशन में शामिल होने का स्वागत किया. अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि भारत को इस बात पर गर्व है कि मालदीव अब कम विकसित देशों की श्रेणी से बाहर निकलकर एक मध्यम आय वाला देश बन गया है. उन्होंने कहा, ‘मालदीव ने यह सब सतत विकास और जलवायु बदलाव की चुनौतियों के बीच प्राप्त किया.’ पीएम मोदी ने कहा, ‘इन सब चुनौतियों से निपटने और समुद्री संसाधनों के सतत विकास के क्षेत्र में पूरे विश्व में मालदीव की भूमिका महत्वपूर्ण होगी.’ उन्होंने कहा, ‘इसलिए हम, भारत और मालदीव के बीच विभिन्न पहलुओं पर साझा सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं.’ प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हमेशा सोलिह सरकार के मालदीव के लोगों की जिंदगी में बदलाव लाने के लिए महत्वाकांक्षी योजनाओं को पूरा करने और देश में विकास को मानवीय चेहरा देने के प्रयासों में साथ रहेगा. उन्होंने कहा, ‘मैं खुश हूं कि मालदीव के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए प्रतिबद्धता की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति के तौर पर भारत इस देश को 1.4 अरब डॉलर के बजटीय समर्थन, मुद्रा अदला-बदली और रियायती ऋण की सहायता प्रदान करेगा.’ पीएम पीएम मोदी ने इसके साथ ही भारत और मालदीव के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने का आह्वान किया, क्योंकि बेहतर केनक्टिविटी से वस्तु एवं सेवा, सूचना, विचार, संस्कृति और लोगों के आदान-प्रदान में सहायता मिलेगी. उन्होंने इसके साथ ही दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य, मानव संसाधन विकास, बुनियादी ढांचे, कृषि, क्षमता निर्माण और पर्यटन के क्षेत्र में भागादीरी को मजबूत करने का आह्वान किया. इसके संबंध में, पीएम मोदी ने प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण के लिए मालदीव के छात्रों के लिए 1000 अतिरिक्त सीटों की पेशकश की. प्रधानमंत्री ने वाणिज्यिक संबंधों और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने का भी आह्वान किया. उन्होंने कहा, ‘मैं मालदीव में भारतीय कंपनियों के निवेश के बढ़ते अवसर का स्वागत करता हूं.’

उधना जोन की पुरी टीम अब सेन्ट्रल जोन में

कार्यपालक- पी.डी.मुन्शी, डे. इजनेर-कामनी दोशी, जूनीयर इजनेर- अमर रंगवाला सहित कई आफिसर का तबादला

सूरत। उधना जोन के पी.डी.मुन्शी का तबादला करने के बाद पूरी टीम अब सेन्ट्रल जोन में घीरे-घीरे तबादला हो गया ,यह पुरे काम सेटिंग्स के साथ किया जा रहा हैं, उधना ज़ोन में चर्चाओंचर्चाओं में रहे , कार्यपालक,डे.इजनेर , और शहेरी विकास विभाग के अधिकारी की पूरी टीम अब सेन्ट्रल जोन में डेरा डाल दिया हैं, जो हर नामुमकिन काम को सभी बिल्डरों के लिये आसन कर देते हैं, जिसमें अमर रंगवाला अब होली के पहले ही भष्टाचार के रंग से रंग देते हैं इस तरह की चर्चाएँ अब हर जोन में होने लगा हैं, कार्यपालक किसी भी कार्य को अन्जाम देने से पहले अमर रंगवाला सारे सेटिंग्स कर देते हैं, जिसमें फरियादी फरियाद करते रहते हैं, बिल्डर अपना काम और अधिकारीगण कार्यवाही के नाम पर काम, टाला मटोली करते रहते है।

कार्यपालक-पी.डी.मुन्शी, डे. इजनेर-कामनी दोशी, जूनीयर इजनेर-अमर रंगवाला सहित कई अन्य अधिकारियों द्वारा सेंट्रल जोन में डाला गया डेरा। ये सभी अधिकारी जहाँ पर भी रहते हैं बिल्डरों का अवेध कार्य पूर्ण करने की जवाबदारी भी गारंटी के साथ लेते है, भले बाद में इनकी बदली होने के बाद अवैध बंधाकाम को दूर कर दिया जाए। उधना ज़ोन का नमुना सामने ही हैं, : मोहन नगर , बमरौली, पांडेसरा , लक्ष्मीनारायण इन्ड. सोसायटी,उन, वड़ोद, अनेक विस्तार जिसमें इनके रहमोकरम से अनेकों बिल्डरों द्वारा अवेध रुप से बांधकाम किया गया, त्रिदेव की जोड़ी अब सेन्ट्रल जोन में अपने जलवे दिखाने के लिए मौजुद है।

एक साथ चार युवतियों की आत्महत्या से सनसनी

अहमदाबाद। बनासकांठा जिले के वाव तहेसील के देथली गांव में चार युवतियों ने एक साथ नर्मदा कैनाल में कुदकर आत्महत्या कर ली है। यह घटना के चलते पुरे इलाके में हाहाकार मच गया है। चार युवतियों ने एक साथ आत्महत्या क्यों की इसे लेकर जांच शुरु की जा चुकी है किन्तु अबतक कोई जानकारी नहीं मिली है। घटना के चलते स्थानिय विधायक गनीबेन ठाकुर समेत सभी अग्रणी भी घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस ने पुरे मामले में जांच शुरु कर दी है। पुलिस की प्राथमिक जांच के दौरान कैनाल के किनारे से आत्महत्या करने वाली युवतियों के चप्पल और आत्महत्या संबंधित नोट भी मिली है। जिसे लेकर और अधिक जांच की जा रही है। आत्महत्या करने वाली चार युवतियों में से तीन युवतीयों का विवाह हो चुका था जबकि एक युवती का विवाह नहीं हुआ था। चार युवतियों में से दो युवतीओं ने अलग रहने के चलते और अन्य दो युवतियों ने बीमारी के चलते आत्महत्या की होने की जानकारी प्राथमिक रुप से मिली है। यह चारों ही युवतियां पुरानी दोस्त होने की जानकारी भी मिली है। सभी चार युवतियों ने एकसाथ आत्महत्या क्यों की इसे लेकर भी आसपास के लोगों और पुलिस में भी सवाल उठ रहे हैं।

सूरत। शहरवासियों में ट्राफिक नियमों के संबंध में जागरूकता लाने हेतु पुलिस और आरटीओ द्वारा सोमवार से 7 दिन तक 30वां सड़क सुरक्षा सप्ताह समारोह मनाया जा रहा है। पुलिस और आरटीओ द्वाराअपने-अपने स्तर पर लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जाएगा। शहर पुलिस द्वारा पुलिस कमिश्नर की अगुवाई में सड़क सुरक्षा सप्ताह का उद्घाटन समारोह पुलिस परेड ग्राउन्ड पर आयोजित किया गया।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी ने 80 दिन में कमाए 19.09 करोड़

सूरत। गुजरात समेत दुनियाभर में आकर्षण का केन्द्र बनी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी ने जनवरी में पूर्ण हुए तीन महीने के भीतर रु. 19.09 करोड़ से अधिक की कमाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर 2018 को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का लोकार्पण किया था। विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा दक्षिण गुजरात के नर्मदा बांध के निकट साधू बेट पर बनाई गई है, जिसकी ऊंचाई 182 मीटर है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के लोकार्पण को 31 जनवरी 2019 को तीन महीने पूर्ण हो चुके हैं। लोकार्पण के पश्चात तीसरे महीने यानी जनवरी 2019 के 27 दिनों के दौरान 283298 पर्यटकों ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दीदार किया है। जिससे सरदार वल्लभभाई पटेल एकता ट्रस्ट को रु. 70042020 रुपए की आय हुई। दिसंबर 2019 के 26 दिनों के दौरान 250113 सैलानियों से रु. 57001060 रुपए और नवंबर के 27 दिनों के दौरान 279166 पर्यटकों से सरदार पटेल एकता ट्रस्ट को रु. 63857321 करोड़ की आय हुई है। तीन महीने में 80 दिन

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर्यटकों के लिए खुला रहा और इस दौरान 812557 सैलानियों ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के दीदार किए। बस से लेकर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के देखने का टिकट केवल रु. 380 रुपए है। इसके अलावा ट्रस्ट द्वारा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के दीदार के लिए पिछले 10 दिनों से एक्सप्रेस टिकट शुरू की गई है, जिसका शुल्क रु. 1000 रखा गया है। इस टिकट के जरिए कोई भी पर्यटक सीधे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जा सकेगा। वहीं नर्मदा बांध के निकट शुरू की गई बोटिंग सुविधा की टिकट दर रु. 250 है। इसके अलावा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का हेलीकॉप्टर से भी दीदार किया जा सकता है और इसके लिए प्रति व्यक्ति रु. 2900 टिकट है। हेलीकॉप्टर में सवार होकर पर्यटक 10 मिनट तक हवाई यात्रा सकता है। इस हवाई यात्रा में पर्यटकों को लावर शो, नर्मदा बांध और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को एरियल व्यू दिखाया जाता है। एक बार में हेलीकॉप्टर में 6 से 7 लोग सवार हो सकते हैं।

केस की संख्या ८९८ के करीब पहुंच गई

स्वाइन फ्लू से और दो की मौत : ६५ नये केस दर्ज हुए

मोत का आंकड़ा बढ़कर ४३ पर पहुंचा : ३३६ से ज्यादा लोंग अभी भी उपचार के तहत होने से तंत्र चिंतित

अहमदाबाद । गुजरात में स्वाइन फ्लू का कहर अभी भी यथावत रुप से जारी रहा है। आज भी दो और लोगों की मौत के साथ मोत का आंकड़ा बढ़कर ४३ पर पहुंच गया है। नये वर्ष में मौत का आंकड़ा बढ़ने से तंत्र में खलबली मच गई है। आज उपचार के दौरान बनासकांठा और पोरबंदर में एक एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। अभी भी ३३६ लोग उपचार के तहत है ऐसा जानने को मिला है। आज एक ही दिन में ६५ नये केस सतह पर आये हैं। प्रदेश में स्वाइन फ्लू का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक जनवरी से सोमवार तक मरीजों की संख्या बढ़कर ८९८ के करीब पहुंच गई है। सोमवार को एक ही दिन में ६५ नए मरीजों को पुष्टि हुई है, जबकि दो की मौत भी हो गई। स्वाइन फ्लू के चलते राज्य के बनासकांठा और पोरबंदर में एक एक मरिज की मौत हो गई है। इसके अलावा एक ही दिन में नए ६५ मरीजों की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही इस वर्ष राज्य में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या बढ़कर ८९८ पर पहुंच गई है। इनमें से ४४४ ठीक हो गए हैं जबकि ३३६ मरीज विविध अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। इस समय अवधि में विविध अस्पतालों में उपचाराधीन ४३ ने इस तोड़ दिया। अहमदाबाद के अलावा सुरत, जुनागढ़, बडौदा में भी नये नये केस सतह पर आये हैं। स्वाइन फ्लू को रोकने के लिए सभी उपाय की जा रहे हैं फिर भी हररोज नये नये मामले सतह पर आ रहे हैं। आज और नये ६५ केस सतह पर आने से तंत्र में खलबली मच गई। मौत के आंकड़े में भी लगातार बढौतरी हो रही है। गुजरात के अलावा इन दिनो स्वाईन फ्लू के केस राजस्थान और दिल्ली में भी बने है किन्तु सबसे अधिक के गुज रात में दिख रहे हैं। नये साल में भी केसो की संख्या ९०० तक पहुंच चुकी है।

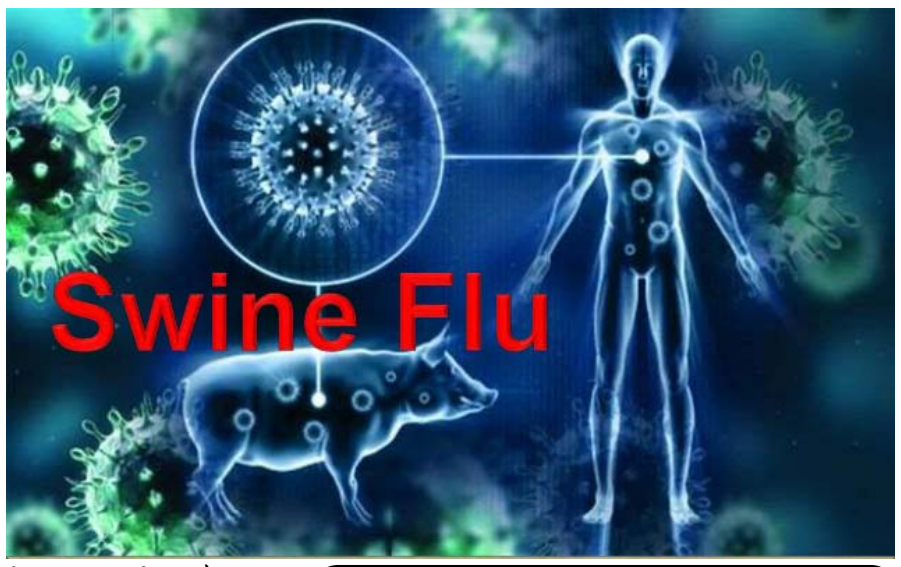

स्वाइन फ्लू का आतंक

अहमदाबाद। गुजरात में स्वाइन फ्लू का आतंक बढ़ रहा है। हररोज नये -नये लोग स्वाइन फ्लू के शिकजे में आ रहे है। चार और लोगों की मौत से खलबली मच गई। नए वर्ष में स्वाइन फ्लू का चित्र नीचे के अनुसार है।

स्वाइन फ्लू के कुल केस	८९८ से ज्यादा
स्वाइन फ्लू से मौत	४३ से ज्यादा
उपचार के तहत लोग	३३६ से ज्यादा
स्वस्थ हुए लोग	४४४ से ज्यादा
२४ कलाक में मौत	०२
नये केस	६५

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**